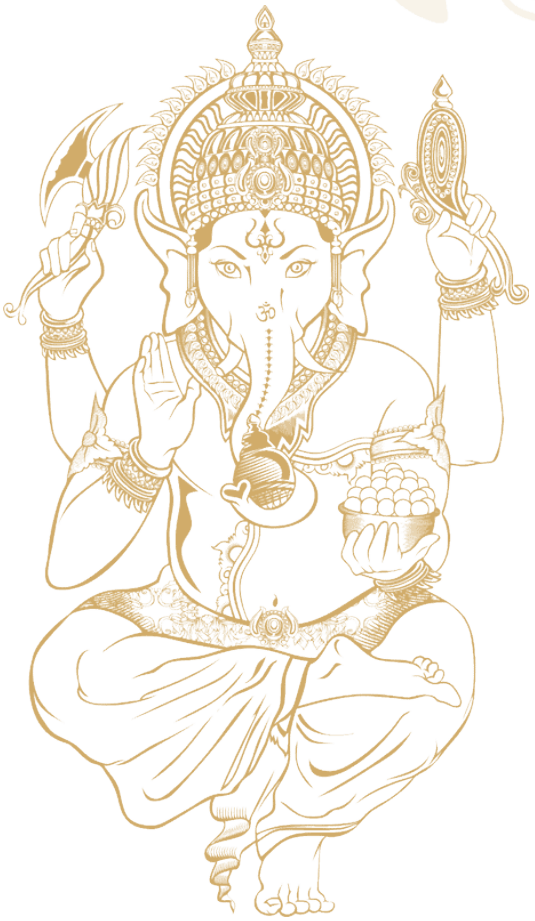

Ms.

30 Oct 2014

11:20 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121893607

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/10/2014**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:20:00 घंटे**
इष्ट	42:02:10 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:59:12 घंटे
वेलान्तर	00:16:22 घंटे
साम्पातिक काल	01:35:04 घंटे
सूर्योदय	06:31:07 घंटे
सूर्यास्त	17:37:40 घंटे
दिनमान	11:06:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:09:49 तुला
लग्न के अंश	08:30:50 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:30:50	307:17:45	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			तुला	13:09:49	00:59:58	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			मक	08:15:45	14:05:15	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			धनु	09:07:06	00:44:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			कन्या	24:47:17	00:47:54	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			कर्क	26:12:23	00:06:52	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	14:32:56	01:15:13	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	29:39:45	00:06:57	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
राहु	व		कन्या	25:03:48	00:00:26	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	25:03:48	00:00:26	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	19:33:21	00:02:10	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	10:48:34	00:00:33	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	17:17:28	00:01:07	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	01:34:23	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:55

लग्न-चलित

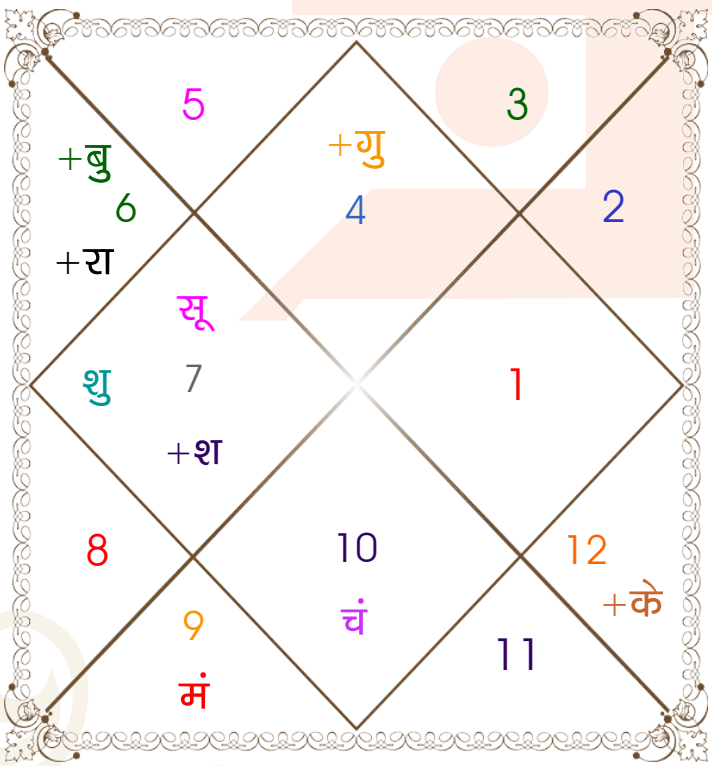

चन्द्र कुंडली

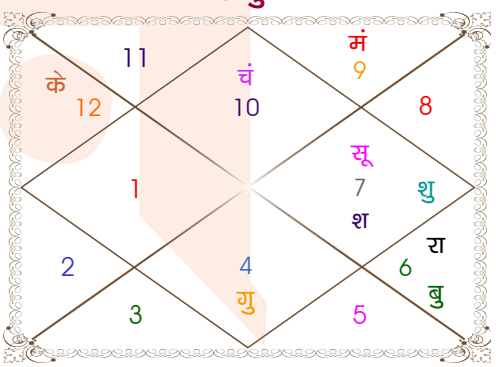

नवमांश कुंडली

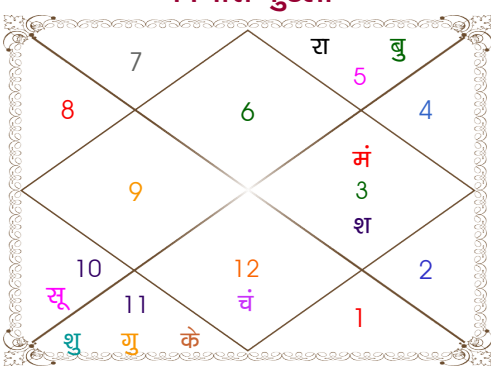

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 9 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/10/2014		12/08/2015		12/08/2025		11/08/2032		12/08/2050	
12/08/2015		12/08/2025		11/08/2032		12/08/2050		12/08/2066	
	00/00/0000	चंद्र	11/06/2016	मंगल	08/01/2026	राहु	24/04/2035	गुरु	29/09/2052
	00/00/0000	मंगल	11/01/2017	राहु	26/01/2027	गुरु	17/09/2037	शनि	12/04/2055
	00/00/0000	राहु	12/07/2018	गुरु	02/01/2028	शनि	24/07/2040	बुध	18/07/2057
	00/00/0000	गुरु	11/11/2019	शनि	10/02/2029	बुध	10/02/2043	केतु	24/06/2058
	00/00/0000	शनि	12/06/2021	बुध	07/02/2030	केतु	29/02/2044	शुक्र	22/02/2061
	00/00/0000	बुध	11/11/2022	केतु	06/07/2030	शुक्र	01/03/2047	सूर्य	11/12/2061
	00/00/0000	केतु	12/06/2023	शुक्र	05/09/2031	सूर्य	23/01/2048	चंद्र	12/04/2063
	30/10/2014	शुक्र	10/02/2025	सूर्य	11/01/2032	चंद्र	24/07/2049	मंगल	18/03/2064
शुक्र	12/08/2015	सूर्य	12/08/2025	चंद्र	11/08/2032	मंगल	12/08/2050	राहु	12/08/2066

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/08/2066		12/08/2085		13/08/2102		13/08/2109		13/08/2129	
12/08/2085		13/08/2102		13/08/2109		13/08/2129		31/10/2134	
शनि	15/08/2069	बुध	08/01/2088	केतु	09/01/2103	शुक्र	12/12/2112	सूर्य	30/11/2129
बुध	24/04/2072	केतु	04/01/2089	शुक्र	10/03/2104	सूर्य	12/12/2113	चंद्र	01/06/2130
केतु	03/06/2073	शुक्र	05/11/2091	सूर्य	16/07/2104	चंद्र	13/08/2115	मंगल	07/10/2130
शुक्र	02/08/2076	सूर्य	11/09/2092	चंद्र	14/02/2105	मंगल	12/10/2116	राहु	31/08/2131
सूर्य	15/07/2077	चंद्र	10/02/2094	मंगल	13/07/2105	राहु	13/10/2119	गुरु	19/06/2132
चंद्र	13/02/2079	मंगल	07/02/2095	राहु	01/08/2106	गुरु	13/06/2122	शनि	01/06/2133
मंगल	24/03/2080	राहु	27/08/2097	गुरु	08/07/2107	शनि	13/08/2125	बुध	07/04/2134
राहु	29/01/2083	गुरु	03/12/2099	शनि	15/08/2108	बुध	12/06/2128	केतु	13/08/2134
गुरु	12/08/2085	शनि	13/08/2102	बुध	13/08/2109	केतु	13/08/2129	शुक्र	31/10/2134

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 9 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।